माध्यमिक शिक्षा (कक्षा ११ र १२) पाठ्यक्रम

२०७८

हिंदी (ऐच्छिक)
कक्षा- ११ और १२

कार्यघंटा- १६०

विषय संकेत-
कक्षा ११ – विषय संकेत- Hin. 339
कक्षा १२ – विषय संकेत- Hin. 340

१. परिचय

हिंदी (वैकल्पिक) विषय का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में हिंदी की भाषिक व साहित्यिक क्षमता एवं कला का विकास करने के उद्देश्य से बनाया गया है । राष्ट्रीय पाठ्यक्रम प्रारूप, २०७६ के मार्गदर्शन के मुताबिक तैयार किए गए विद्यालय शिक्षा के माध्यमिक तह (कक्षा ११ व १२) में हिंदी विषय के इस पाठ्यक्रम में साहित्यिक रचनाओं का उपयोग करते हुए सामाजिकीकरण, अंतरभाषिक व्यवहार, संचार, प्रशासन, तकनीक व मौखिक-लिखित व्यवहार हेतु प्रयोगात्मक विषयवस्तु भी समाविष्ट किए गए हैं । हिंदी भाषा व साहित्य की परंपराओं को निरंतरता देते हुए विद्यार्थियों की अभिरुचि का भी संबोधन करने व शिक्षा का राष्ट्रीय उद्देश्य प्राप्त करने तथा इसकी सांदर्भिकता को व्यापक बनाने का लक्ष्य रखा गया है । इससे संबंधित विषय में उच्च शिक्षा का आधार तैयार होने की भी अपेक्षा की गयी है ।

इस पाठ्यक्रम में हिंदी साहित्य के विधातत्त्व, विधागत स्वरूप एवं संरचना, साहित्यिक इतिहास तथा साहित्य सिद्धांत के क्षेत्र एवं इन पर आधारित विषयवस्तुओं को शामिल किया गया है । इसीलिए प्रभावकारी सीखने की उपलब्धि के लिए उन विषयक्षेत्रों व विषयवस्तुओं के सैद्धांतिक तथा प्रयोगात्मक पक्ष पर आधारित होकर विद्यार्थी-केंद्रित सहजीकरण विधि तथा प्रक्रियापर जोड़ दी गयी है । इस से विषयवस्तु पर आधारित होकर सृजनात्मक लेखन, कृति समीक्षा, प्रतिवेदन लेखन, स्थलगत अध्ययन-भ्रमण, निरंतर सीख तथा मूल्यांकन की पद्धति को प्रयोगात्मक व खोजमूलक बनाने में सहज होने का विश्वास है । इस तह में साहित्य शिक्षण के माध्यम से साहित्य की अनेक विधा की रचनाओं के बोध, उनके आस्वादन, शब्दशक्ति, अभिव्यक्ति-दक्षता एवं विश्लेषणात्मक शिल्प की अभिवृद्धि करने का लक्ष्य रखा गया है । हिंदी पाठ्यक्रम के विकास-क्रम में उल्लिखित विषयवस्तुओं की अवधारणा का विकास, अभ्यास व निरंतर सीख एवं मूल्यांकन के बीच के संतुलन पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया है ।

परिचय, तहगत सक्षमता, कक्षागत सीखने की उपलब्धि, विषयवस्तुओं के क्षेत्र व क्रम, सीख सहजीकरण प्रक्रिया व विद्यार्थी मूल्यांकन को समेटकर इस पाठ्यक्रम का विकास किया गया है । इस सिलसिले में पाठ्यक्रम विकास के विषयगत औचित्य, पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएं एवं पाठ्यक्रम के स्वरूप को स्वीकारते हुए परिचय, विषयगत रूप से अपेक्षित ज्ञान, शिल्प, अभिवृत्ति, मूल्य व कार्य-तत्परता को समेटकर क्रियात्मक स्वरूप में सक्षमता, सीख के स्तर एवं सक्षमता का विशिष्ट रूप से विस्तृतीकरण कर सीखने की उपलब्धि एवं पिछली कक्षाओं के साथ तारतम्य एवं संतुलन के आधारपर विषयवस्तु के क्षेत्र व क्रम, विषयगत विशिष्टता एवं मौलिकता को समावेश कर सीख सहजीकरण की विधि तथा प्रक्रिया एवं निर्माणात्मक व निर्णयात्मक मूल्यांकनक विधि तथा प्रक्रिया का उल्लेख कर विद्यार्थी के मूल्यांकन को व्यवस्थित किया गया है ।

२. तहगत सक्षमता

माध्यमिक स्तर (कक्षा ११ और १२) के अध्ययन के पश्चात् हिंदी (ऐच्छिक) के विद्यार्थियों में निम्नलिखित सक्षमता हासिल होगी–

१. हिंदी साहित्य की विधाओं की पहचान, पठन, विशेषता बोध और प्रस्तुति ।

२. विधातत्त्व, कृति व रचनाकारों की पहिचान व विश्लेषण ।

३. साहित्यिक रचनाओं के स्वरूप एवं संदर्भ की पहिचान तथा समीक्षात्मक प्रस्तुति ।

४. साहित्यिक रचनाओं के सारांश, व्याख्या एवं भावविस्तार ।

५. साहित्यिक कृति में रही अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना शक्ति की पहिचान एवं विश्लेषण ।

६. अनुकरणात्मक एवं स्वतंत्र सृजन तथा लेखन ।

७. व्याकरणिक दृष्टि से हिंदी भाषा की विशिष्टताओं के बोध एवं प्रस्तुतीकरण ।

१०. हिंदी भाषा-साहित्य के आस्वादन में अभिरुचि एवं अध्ययन का विकास ।

३. कक्षागत उपलब्धि

माध्यमिक स्तर (कक्षा ११ और १२) के अध्ययन पश्चात् हिंदी (ऐच्छिक) के विद्यार्थियों को निम्नलिखित उपलब्धियां प्राप्त होंगी-

कक्षा ११

१. हिंदी साहित्य की कहानी, कविता, निबंध, उपन्यास, एकांकी विधाओं की जानकारी ।

२. निर्धारित साहित्यिक विधाओं का सारांश लेखन, भाव विस्तार, व्याख्या जैसी क्षमताओं का विकास ।

३. भावार्थ, व्याख्या, सामान्य अर्थ आदि के विषय में विषयगत जानकारी का विकास ।

४. साहित्य की मूल विधाओं के तत्त्वों का परिचय व समीक्षात्मक कौशल का विकास ।

५. निर्धारित साहित्यिक विधाओं के रचनाकार के विषय में ज्ञानवर्द्धन ।

६. साहित्य में वर्णित वाद (नारीवाद, प्रगतिवाद, अस्तित्ववाद) आदि का ज्ञान-विस्तार ।

७. शब्द शक्ति, रस, अलंकार की विषयगत जानकारी ।

८. कविता में प्रयुक्त होने वाले छंद, रस और अलंकार की पहचान करने की क्षमता का विकास ।

९. मौलिक लेखन क्षमता का विकास ।

१०. जीवनी, आत्मकथा, नियात्रा आदि लेखन शैली का विकास ।

११. टिप्पणी, प्रतिवेदन, सारांश, संक्षेपण, प्रारूपण आदि के विषय में जानकारी ।

१२. कृतियों के अध्ययन पश्चात् उद्देश्य, चरित्र चित्रण, निष्कर्ष, कथा, भाषाशैली आदि विषयों पर लेखन ।

कक्षा १२

१) हिंदी साहित्य की कहानी, कविता, निबंध, उपन्यास, एकांकी, जीवनी, खंडकाव्य जैसी विधाओं की जानकारी ।

२) निर्धारित विधातत्त्व के आधार पर समीक्षा कर पाने में सक्षमता ।

३) निर्धारित साहित्यिक विधाओं का सारांश लेखन, भाव विस्तार, व्याख्या जैसी क्षमताओं का विकास ।

४) निर्धारित कथा, कविता, खंडकाव्य, निबंध, जीवनी, एकांकी की विधागत विशेषताओं के अनुसार विषयवस्तु, मूलभाव, कथानक, पात्र, दृष्टिविंदु, परिवेश, लय-विधान, उद्देश्य, भाषाशैली, संवाद व रूपविन्यास का विश्लेषण ।

५) निर्धारित साहित्यिक पाठों के रचनाकारों के परिचय एवं प्रवृत्ति का विवेचन ।

६) निर्धारित साहित्यिक कृति या रचनाओं की समीक्षात्मक प्रस्तुति ।

७) निर्धारित साहित्यिक पाठों में रहे सामाजिक सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक, प्रगतिवादी, अस्तित्ववादी, नारीवादी जैसे वैचारिक संदर्भों की समीक्षा ।

८) कथा, कविता, निबंध तथा जीवनी का मौलिक लेखन ।

९) कविता में प्रयुक्त छंद, रस तथा अलंकार की पहचान ।

१०) किसी साहित्यिक या अन्य कार्यक्रम या घटनाओं के विषय में प्रतिवेदन तैयारी और प्रस्तुति ।

११) उपन्यास, कथा, कविता और खंडकाव्य की कथावस्तु, चरित्र, परिवेश, उद्देश्य, मूलभाव, रस, अलंकार, छंद, भाषाशैली, दृष्टिविंदु आदि का विधातात्त्विक विवेचन ।

१२) अनुकरणात्मक तथा सृजनात्मक लेखन ।

४. विधा का क्रम तथा क्षेत्र

कक्षा- ११

क्र. सं.	विधा	क्षेत्र	पाठ	विश्लेषण विधि	पाठ संख्या	कुल पाठ संख्या	कार्य घण्टा
१	कथा	सामाजिक	प्रेमचंद– ईदगाह हार की जीत– सुदर्शन	विधा-तत्त्व, कथावस्तु कथानक, पात्र परिवेश उद्देश्य और शैली) के आधार पर विश्लेषण	२	६	३६
		अस्तित्ववादी	वापसी– उषा प्रियंवदा		१		
		मनोवैज्ञानिक	खेल– जैनेंद्र		१		
		प्रगतिवादी	गुल की बन्नो– धर्मवीर भारती		१		
		आंचलिक	घड़ी– बुन्नीलाल सिंह		१		
२	कविता	प्रकृतिपरक	चांदनी– सुमित्रानंदन पंत	मूलभाव, लय विधान, रस, अलंकार, द्वन्द्व के आधार पर विश्लेषण	१	५	३०
		देशभक्ति	अमर शहीद दुर्गानंद– राजेश्वर नेपाली		१		
		प्रगतिवादी	वह तोड़ती पत्थर– सूर्यकांत त्रिपाठी निराला		१		
		मानवतावादी	तीर्थ चेतना– केदारमान व्यथित		२		
३	निबंध	निजात्मक	उपदेश– हृदयचंद्र सिंह	विधा तत्त्व (विषय वस्तु, विचार, उद्देश्य, शैली शिल्प और शीर्षक) के आधार पर विश्लेषण	१	३	२१
		व्यक्तिपरक	डॉ. रामविलास शर्मा– डॉ .श्वेता दीप्ति		१		
		यात्रा वृत्तांत	हिमालय परिचय– राहुल सांकृत्यायन		१		

४	उपन्यास	सामाजिक	सिसकियाँ– डॉ. संजीता वर्मा	विधा तत्त्व (कथावस्तु, कथानक, पात्र, परिवेश, उद्देश्य, शीर्षक और शैली शिल्प) के आधार पर विश्लेषण			८
५	एकांकी	ऐतिहासिक	पृथ्वीराज की आंखें– डॉ. रामकुमार वर्मा	विधा तत्त्व (कथावस्तु, कथानक, पात्र, परिवेश, उद्देश्य, शीर्षक, संवाद और शैली शिल्प) के आधार पर विश्लेषण			८
६	काव्य शास्त्र	शब्दशक्ति, रस, छंद और अलंकार		शब्दशक्ति : अभिघा, लक्षणा और व्यञ्जना, रस, नव रस की पहचान, छंद, मधुमालती छंद, दोहा, कुंडलियां, गीतिका, कवित्त, घनाक्षरी	१	१	१७
कुल सैद्धांतिक							१२०
कुल प्रयोगात्मक							४०
कुल							१६०

कक्षा १२

क्र. सं.	विधा	क्षेत्र	पाठ	विश्लेषण विधि	पाठ संख्या	कुल पाठ संख्या	पाठ्यभार
१	कथा	सामाजिक	ठेस– फणीश्वरनाथ रेणु	विधा (तत्त्व, कथावस्तु कथानक, पात्र परिवेश उद्देश्य और शैली) के आधार पर विश्लेषण	१	५	३०
		अस्तित्ववादी	ककड़ी के बीज– धीरेन्द्र प्रेमर्षि		१		
		मनोवैज्ञानिक	समय– यशपाल		१		
		प्रगतिवादी	पक्षी और दीमक–मुक्तिबोध		१		
		नारीवादी	बहुरी अकेला– मालती जोशी		१		
२	कविता	नीतिपरक दोहे	कबीर के दस दोहे १ जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिये ज्ञान २ धीरे धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय ३ तिनका कबहुँ ना निंदिये, जो पाँवन तर होय ४ लूट सके तो लूट ले, राम नाम की लूट	मूलभाव, लय विधान, रस, अलंकार, द्वन्द्व के आधार पर विश्लेषण	१	५	३०

			५ काल करे सो आज कर, आज करे सो अब ६ साईं इतना दीजिये, जा के कुटुंब समाए ७ अति का भला न बोलना, अति की भली न चूप ८ पतिबरता मैली भली, गले कांच की पोत ९ बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय १० पोथी पढी पढी जग मुआ, पंडित भया न कोय				
		देशभक्ति	स्वतंत्रता का दीपक – गोपाल सिंह नेपाली		१		
		नारीवादी	उस कृषक बाला के– धुस्वाँ सायमि (कविता का जंगल)		१		
		वीररस	कलम आज उनकी जय बोल– रामधारी सिंह 'दिनकर'		१		
		प्रयोगवादी	खोज में जब निकल ही आया– अज्ञेय		१		
३	निबंध	प्रकृतिपरक	रहिमन पानी राखिए– विद्यानिवास मिश्र	विधा तत्त्व (विषय वस्तु, विचार, उद्देश्य, शैली शिल्प और शीर्षक) के आधार पर विश्लेषण	१	३	१८
		भावपरक	डा. उपेन्द्र प्रसाद कमल / डा. उषा सिन्हा		१		
		विवेचनात्मक	गेहूं और गुलाब– रामवृक्ष बेनीपुरी		१		
४	आत्म कथा	जीवनी	एक कहानी यह भी– मन्नु भंडारी	विधा तत्त्व (कथावस्तु, कथानक, पात्र, परिवेश, उद्देश्य, शीर्षक और शैली शिल्प) के आधार पर विश्लेषण	१	१	९
५	एकांकी	ऐतिहासिक	ध्रुवस्वामिनी– जयशंकर प्रसाद	विधा तत्त्व (कथावस्तु, कथानक, पात्र, परिवेश, उद्देश्य, शीर्षक, संवाद और शैली शिल्प) के आधार पर विश्लेषण	१	१	९

६	खंडकाव्य	स्थान विशेष	मटिहानी महिमा– चंद्रशेखर उपाध्याय	विधा तत्त्व (मूलभाव, लयविधान, रस, अलंकार, उद्देश्य और शैली विन्यास) के आधार पर विश्लेषण	१	१	९
७	हिंदी साहित्य का इतिहास	संक्षिप्त परिचय काल विभाजन, प्रतिनिधि स्रष्टा		इतिहास का संक्षिप्त परिचय काल विभाजन, आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल की प्रवृत्ति और विशेषता	१	१	१५
कुल सैद्धांतिक							१२०
कुल प्रयोगात्मक							४०
कुल							१६०

परियोजना और व्यावहारिक कार्य

व्यक्तिगत रूप से मूल्यांकन किए गए कुल मूल्यांकन में से २५ अंकों का मूल्यांकन निर्धारित किया गया है । इस व्यावहारिक कार्य का मूल्यांकन रचनात्मक लेखन, पुस्तक समीक्षा और रिपोर्ट लेखन के माध्यम से किया जाएगा ।

(अ) रचनात्मक लेखन : किसी भी शैली में रचनात्मक (कविता, कहानी, निबंध, एकांकी, आत्मकथा, जीवनी) काम शुरू करने से पहले, शिक्षक शैली लिखने की विधि या विधि पर अभिविन्यास कार्यक्रम को पूरा करेंगे ।

(आ) काम की समीक्षा : इस काम को करने से पहले :

१. शिक्षक को छात्रों को कार्य की समीक्षा करने के उद्देश्य और उद्देश्य के बारे में बताएँगे ।

२ . कार्य समीक्षा के प्रकार को समझा कर प्रारूप तैयार करेंगे ।

(ई) प्रतिवेदन लेखन : शिक्षक संबंधित विषयों पर छात्रों को प्रतिवेदन लेखन के प्रारूप को स्पष्ट रूप से बताएँगे तथा एक तथ्यात्मक प्रतिवेदन दिखने के लिए प्रोत्साहित करेंगे ।

क्र.सं	कार्य	व्याख्या	अंक
१	रचनात्मक लेखन	क) मुख्य विंदु देकर आदि के मध्य और अंत के साथ मिलाकर एक कहानी लिखने के लिए प्रेरित करना । अथवा (ख) समसामयिक विषय अथवा शीर्षक देकर कविता रचना करने के लिए प्रेरित करना । (ग) दिए गए विषय पर निबंध लिखवाना अथवा (घ) किसी के जीवन की महत्त्वपूर्ण घटनाओं को रेखांकित करते हुए आत्मकथा लिखना । (ङ) यात्रा विवरण लिखने की शैली सिखाना (च) विषय या घटना बताते हुए एकांकी लेखन की शैली बताना ।	८
२	कृति समीक्षा	बाल कथा या कविता सामग्री देकर समीक्षा करवाना ।	४
३	प्रतिवेदन लेखन	किसी आयोजन या घटना के ऊपर प्रतिवेदन लेखन शैली बताना	४
		कुल	१६

सीखने की सुविधा प्रक्रिया

हिंदी (वैकल्पिक) विषयों को सीखने की सुविधा के लिए भाषाई और साहित्यिक कौशल के विकास पर जोर देकर रचनात्मक कौशल के विकास पर जोर दिया गया है । इस विषय पर पाठ्यक्रम तैयार करते समय, हिंदी भाषा और साहित्य में लोकप्रिय शैलियों के उपयोग को विशेष महत्त्व दिया गया है । इसलिए, हिंदी (वैकल्पिक) अध्ययन अध्यापन समावेश किए गए विषय के सभी क्षेत्रों में समान महत्त्व दिया गया है ।
यह पाठ्यक्रम प्रचलित साहित्यिक शैली और संबंधित विषय क्षेत्रों के छात्रों के दृष्टिकोण को भी सुविधाजनक बनाता है । छात्रों के भाषाई और साहित्यिक अनुभव और उनके रचनात्मक कौशल को ध्यान में रखते हुए, छात्रों में रचनात्मक कौशल के विकास को सुविधाजनक बनाना आवश्यक है । हिंदी (वैकल्पिक) विषय का अध्ययन करने के लिए, आवश्यक विश्लेषणात्मक और रचनात्मक ज्ञान एवं कौशल पर विचार करने की आवश्यकता है और तदनुसार कौशल विकसित करने के प्रयास किए जाने चाहिए । चर्चा, प्रश्नोत्तर, अवलोकन, भ्रमण, अनुसंधान, समस्या समाधान, परियोजना, क्षेत्र भ्रमण विधि, प्रदर्शन, व्याख्यान जैसे तरीकों का उपयोग सुविधा प्रक्रिया में किया जाएगा । विषय के अनुरूप ही शिक्षा की सुविधा की विधि का उपयोग किया जाएगा । यहां चर्चा की गई विधियों के आधार पर, शिक्षक सुविधा के रचनात्मक तरीके का चयन और उपयोग करने में सक्षम होंगे । सुगमता की प्रक्रिया में आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाएगा । साहित्यिक विधाओं को सीखने के लिए निम्नलिखित गतिविधियों का उपयोग किया जा सकता है :

(क) कहानियां और उपन्यास

कहानियों और उपन्यासों को पढ़ने के बाद, मुख्य घटनाओं को बताना और लिखना शुरू करवाना ।
कहानी का कथानक और उपन्यास का कथानक लिखना ।
कहानियों और उपन्यासों के पात्रों का परिचय और लेखन ।
उपन्यास पढ़ने के बाद, घटना का पूर्वानुमान करना ।
कहानियों और उपन्यासों में चित्रित सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और लैंगिक संदर्भों की पहचान ।
कहानी और उपन्यास के दृष्टिकोण को पहचानना ।
कहानियां और उपन्यास पढ़ कर सारांश और मुख्य संदेश लिखकर प्रस्तुत करना ।
उपन्यास पढ़कर उसकी समीक्षा लिखना ।
कहानियों और उपन्यासों में प्रयुक्त वाक्यांशों और अनुच्छेदों की महत्ता को समझना ।
निर्धारित कहानियों और उपन्यासों को पढ़ने के बाद घटनाओं और पात्रों को बदल कर फिर से लिखना ।
कहानी और उपन्यास का सार लिखना ।
कहानी पढ़कर मौलिक कहानी लिखना ।

(ख) कविता

कविता को याद कर वाचन करना और गति, यति व लय मिलाकर सस्वर पाठ करवाना ।
कविता की लय की पहचान (लोक-गीत की लय, मीट्रिक और लयबद्ध लय) ।
कविता के छंद और पंक्तियों को गद्य भाषा में लिखना ।
कविता के छंद, अलंकार और संरचना को पहचानना ।
कविता में प्रयुक्त विषयों और विचारों को लेखक और कविता के संदर्भ के साथ जोड़ा जाना ।
कविता के संदर्भ को समझाना और विस्तृत करने की कला बताना ।
कविता का अर्थ और विचार प्रस्तुत करना ।
कविता पढ़कर अनुकरणीय और मौलिक कविताएं लिखना ।
कविता में शीर्षक, लक्ष्य और व्यंजन की पहचान करना ।

(ग) निबंध

निबंध पढ़ना शुरू करना
निबंध की संरचना तथा यात्रा निबंध (आदि, मध्य और अंत श्रृंखला) की संरचना की पहचान करना ।

निबंध और यात्रा निबंध में प्रयुक्त भावनाओं को प्रस्तुत करना ।
निबंध का प्रारूप और प्रकार (व्यक्तिपरक, उद्देश्य, व्यंग्य, विश्लेषणात्मक, विवरणात्मक) की पहचान करना ।
निबंध में प्रस्तुत घटना और तथ्य प्रस्तुत करना ।
निबंध या यात्रा वृत्तांत में वर्णित दृश्य, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक पहलु की पहचान करना ।
किसी स्थान के भ्रमण अनुभव के आधार पर यात्रा संस्मरण लिखना ।
जगह की पहचान, सांस्कृतिक पहचान व प्राकृतिक सुंदरता की विभिन्न पहलुओं पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करना ।

(घ) एकांकी और नाटक
हावभाव के साथ एकांकी और नाटकों को जोर से पढ़ना ।
नाटक के विषय, चरित्र, संवाद, परिवेश और दृश्यों की पहचान करना ।
नाटक और नाटक की शुरुआत, विकास और परिणति की प्रक्रिया में सामने आए प्रमुख संघर्षों को पहचानना ।
नाटक और नाटक पढ़ने के बाद पात्रों की भूमिका का विश्लेषण करना ।
एकांकी नाटकों और नाटकों को पढ़ना और उनमें प्रस्तुत विचारों का विश्लेषण करना ।
शीर्षक, कथानक, विचार, चरित्र, संवाद, सेटिंग, संघर्ष, अभिनय, भाषा शैली के आधार पर नाटकों और एकांकी नाटकों का विश्लेषण करना ।

(ङ) जीवनी/आत्मकथा
जीवनी/आत्मकथा पढ़कर मुख्य घटना और तथ्यों को प्रस्तुत कराना ।
जीवनी/आत्मकथा के प्रमुख प्रेरक संदर्भ प्रस्तुत कराना ।
जीवनी/आत्मकथा की मुख्य विशेषता की पहचान कराना ।
जीवनी/आत्मकथा की संरचना (आदि, मध्य और अंत) की पहचान कराना ।
जीवनी पढ़कर उस में वर्णित समय और सामाजिक जीवन की पहचान कराना ।
प्रेरक व्यक्ति के जीवन के आधार पर जीवनी लिखने की प्रेरणा देना ।
अपने जीवन की महत्त्वपूर्ण घटनाओं का वर्णन कक्षा में प्रस्तुत करना ।

(च) खंडकाव्य
खंडकाव्य का प्रमुख अंश आदर्श वाचन करके सुनाना और विद्यार्थी से गति, यति, लय में वाचन कराना ।
खंडकाव्य के श्लोक और पक्तियों का गद्य में प्रस्तुत कराना ।
खंडकाव्य में प्रयुक्त शब्दशक्ति, छंद और रस तथा अलंकार की पहचान कराना ।
खंडकाव्य में प्रयुक्त विषयवस्तु और भाव विचार को लेखक और खंडकाव्य के संदर्भ से जोड़कर प्रस्तुत कराना ।
खंडकाव्य में रही अभिधा, लक्षणा और व्यंजना की पहचान करना ।

(छ) सिद्धांत और साहित्य का इतिहास
हिंदी साहित्य के सैद्धांतिक पक्ष के बारे में बतलाना ।
हिंदी साहित्य के इतिहास का परिचय और विकास क्रम बताना ।
हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों का परिचय देना । आदिकाल, मध्यकाल और आधुनिक काल की प्रवृत्ति, विकासक्रम के बारे में बतलाना ।
विभिन्न कालों के प्रमुख साहित्यकारों का परिचय बतलाना ।

मूल्यांकन प्रक्रिया
एक छात्र की सीखने की उपलब्धि सुनिश्चित करने के लिए रचनात्मक और महत्त्वपूर्ण मूल्यांकन दोनों की आवश्यकता होती है । छात्रों की सीखने की उपलब्धि में सुधार करने के लिए, कक्षा कार्य, परियोजना कार्य, प्रस्तुति परीक्षण, उपलब्धि परीक्षण जैसी गतिविधि में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्राप्त करना आवश्यक है । छात्र के सीखने का प्रभावी कार्यान्वयन और सुधार रचनात्मक गतिविधि के अभिन्न अंग के रूप में रचनात्मक मूल्यांकन का उपयोग किया जाएगा । पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि छात्र ज्ञान, कौशल और

योग्यता प्राप्त करने में कितना सक्षम हैं । योग्यता और सीखने की उपलब्धि के रूप में सीखने के सभी स्तरों के छात्रों की क्षमता को ध्यान में रखा जाएगा । विषय को आंतरिक और बाहरी लिंक के माध्यम से वर्गीकृत किया जाएगा । मूल्यांकन के कुल भार का लगभग २५ प्रतिशत आंतरिक होगा और ७५ प्रतिशत बाह्य होगा । बाह्य मूल्यांकन के लिए लिखित परीक्षा होगी । मूल्यांकन रचनात्मक और निर्णायक दोनों तरह की रैंकिंग के अंतर्गत किया जाएगा । इस विषय का पाठ्यक्रम छात्रों की सीखने की क्षमता, सीखने की उपलब्धि और उनके विषय, संबंधित कौशल, प्रतिभागियों के सीखने और कौशल सीखने के आधार पर निश्चित होगा ।

(क) आंतरिक मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन के लिए, प्रत्येक छात्र द्वारा किए गए कार्य और उसमें होने वाले व्यवहार परिवर्तनों का रिकार्ड रखना आवश्यक है । कक्षा, गृहकार्य, कक्षा परियोजना, परियोजना कार्य, सामाजिक गतिविधि, सामूहिक अतिरिक्त क्रिया कलाप, रचनात्मक लेखन, कार्य समीक्षा, प्रतिवेदन, आंशिक परीक्षा, मासिक परीक्षा मूल्यांकन के अभिन्न अंग हैं । इस आधार पर ही सीखने की स्थिति का पता लगाया जाएगा और आवश्यकतानुसार शिक्षण गतिविधियां आयोजित की जाएँगी ।

हिंदी (वैकल्पिक) विषय पर कक्षा ११ और १२ में, कुल भार का २५ आंतरिक भार होगा । इसका मूल्यांकन निम्नानुसार किया जाएगा :

क्रम संख्या	**क्षेत्र**	**अंक**
१	कक्षा सहभागिता (उपस्थिति व कक्षाकार्य)	३
२	त्रैमासिक परीक्षा का मूल्यांकन	६
३	परियोजना तथा प्रयोगात्मक कार्य	१६
		२५

परियोजना तथा प्रयोगात्मक कार्य

विषयगत रूप में निर्धारित कुल मूल्यांकन के २५ अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित किए गए हैं, जिसमें १६ अंक परियोजना/प्रयोगात्मक कार्य के हैं । इस के तहत सृजनात्मक लेखन, कृति समीक्षा एवं प्रतिवेदन लेखन कार्य के द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा ।

(अ) सृजनात्मक लेखन : किसी विधा (कविता, कथा, निबन्ध, नाटक) में सृजनात्मक कार्य करबाने से पहले उसे विधा लिखने की विधि या तरीके के संबंध में विषय-शिक्षकों द्वारा अभिमुखीकरण प्रशिक्षण दिया जाएगा ।

(आ) कृति समीक्षा : यह कार्य करबाने से पहले :

(१) कृति समीक्षा के उद्देश्य एवं प्रयोजन क विषय में शिक्षक विद्यार्थियों को जानकारी देंगे ।

(२) कृति समीक्षा के प्रकार प्रकाश डालते हुए शिक्षक विद्यार्थियों से इसके ढांचे बनबाएंगे ।

(इ) प्रतिवेदन लेखन : प्रतिवेदन लेखन का ढांचा स्पष्ट कर शिक्षक विद्यार्थियों से संबंधित विषय का तथ्य व तथ्यांक संकलित करबाकर प्रतिवेदन लिखबाएंगे ।

(ख) बाह्य मूल्यांकन

कक्षा ११ और १२ प्रत्येक में कुल भार का ७५ प्रतिशत बाह्य मूल्यांकन होगा । कक्षा ११ और १२ प्रत्येक कक्षा में ली जाने वाली परीक्षा के लिए, प्रश्नपत्र को पाठ्यक्रम विकास केंद्र द्वारा तैयार किए गए विशिष्ट कार्यक्रम के अनुसार तैयार किया जाएगा । इस विषय की परीक्षा में, विशेष ज्ञान, समझ, समस्या समाधान, आलोचनात्मक सृजन से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे । पाठ्यक्रम के अनुसार छात्र ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण प्राप्त करने में सक्षम होंगे । सभी बाहरी परीक्षाओं में वर्णमाला प्रणाली का उपयोग किया जाएगा ।

बाह्य मूल्यांकन तालिका (कक्षा ११)

क्र.सं.	मूल्यांकन क्षेत्र	विधा	अंकभार	स्पष्टीकरण
१	पाठ्यवस्तु का बोध (अति संक्षिप्त व संक्षिप्त उत्तरात्मक)	कथा	६	कथा का अंश देकर कथावस्तु, पात्र, दृष्टिविंदु व सारवस्तु के विषय में किसी पक्ष से संबंधित तीन प्रश्न (दो अति संक्षिप्त तथा एक संक्षिप्त) पूछें। तीनों के ही जवाब लें। ऐसे प्रश्नों में पाठ के अंश के साथ ही संकेत का भी अंश देकर बाकी के संबंध में जवाब आने वाला प्रश्न पूछें।
		कविता	६	कविता का अंश देकर मूल भाव, लयविधान तथा शैली के विषय में किसी पक्ष से संबंधित तीन प्रश्न (दो अति संक्षिप्त तथा एक संक्षिप्त) पूछें। तीनों के ही जवाब लें। ऐसे प्रश्नों में कविता के अंश के साथ साथ संकेत का भी अंश देकर बाकी के संबंध में पठित पाठ का मूल भाव आने वाले प्रश्न पूछें।
		निबंध	६	मूल विचार, उद्देश्य व शैलीमध्य किसी पक्ष से संबंधित तीन प्रश्न (दो अति संक्षिप्त तथा एक संक्षिप्त) पूछें। तीनों के जवाब मागें।
		एकांकी	६	कथानक, पात्रविधान और परिवेश से संबंधित प्रसंग पर आधारित तीन प्रश्न (दो अति संक्षिप्त तथा एक संक्षिप्त) पूछें। तीनों के जवाब मागें।
		उपन्यास	९	कथावस्तु, पात्र, दृष्टिविंदु तथा सारवस्तु से संबंधित प्रसंग पर आधारित तीन प्रश्न (एक अति संक्षिप्त तथा तीन संक्षिप्त) पूछें। संक्षिप्त में से दो के जवाब मागें।
२.	पाठ्यवस्तु का बोध (संक्षिप्त उत्तरात्मक)	शब्दशक्ति, रस, छंद र अलंकार की पहिचान	१०	शब्दशक्ति, रस, छंद या अलंकार से २ अति संक्षिप्त प्रश्न पूछें। इसी तरह किसी कविता का अंश देकर छंद और गण संकेत लिखने के हिसाब से १ प्रश्न पूछें और कोई अंश देकर शब्दशक्ति, रस या अलंकार की पहिचान करबाने के हिसाब से १ प्रश्न मिलाकर २ प्रश्न पूछें और दोनों ही प्रश्नों का जवाब लें।
३.	सप्रसंग व्याख्या/भाव विस्तार	कथा, एकांकी, कविता, निबंध, उपन्यास	८	कथा, कविता, निबंध, एकांकी, उपन्यास से किसी पाठगत अंश के सप्रसंग व्याख्या से २ प्रश्न पूछ १ प्रश्न का जवाब लें व भावविस्तार से १ प्रश्न पूछकर कुल २ प्रश्नों का जवाब मांगें।
४.	सारांश लेखन/घटना रेखांकन	कथा, एकांकी, निबंध, उपन्यास	४	कथा या एकांकी से सारांश लिखबाने के हिसाब से १ प्रश्न पूछें और निबंध व उपन्यास से मुख्य-मुख्य घटनाओं को रेखांकित करने वाला एक प्रश्न पूछें। किसी एक का जवाब लें।
५.	समीक्षात्मक	कविता, कथा, निबंध व एकांकी	२०	कविता, कथा, निबंध एकांकी से २ प्रश्न पूछ किसी १ का जवाब मागें और उपन्यास से १ प्रश्न पूछें। इस तरह समीक्षात्मक जवाब आने वाले कुल २ समीक्षात्मक प्रश्न पूछें।

कक्षा १२

क्र.सं.	मूल्यांकन क्षेत्र	विधा	अंकभार	स्पष्टीकरण
१.	पाठ्यवस्तु का बोध (अति संक्षिप्त व संक्षिप्त उत्तरात्मक)	कथा	६	कथा का अंश देकर कथावस्तु, पात्र, दृष्टिविंदु व सारवस्तु के विषय में किसी पक्ष से संबंधित तीन प्रश्न (दो अति संक्षिप्त तथा एक संक्षिप्त) पूछें। तीनों के ही जवाब लें। ऐसे प्रश्नों में पाठ के अंश के साथ ही संकेत का भी अंश देकर बाकी के संबंध में जवाब आने वाला प्रश्न पूछें।
		कविता	६	कविता का अंश देकर मूल भाव, लयविधान तथा शैली के विषय में किसी पक्ष से संबंधित तीन प्रश्न (दो अति संक्षिप्त तथा एक संक्षिप्त) पूछें। तीनों के ही जवाब लें। ऐसे प्रश्नों में कविता के अंश के साथ साथ संकेत का भी अंश देकर बाकी के संबंध में पठित पाठ का मूल भाव आने वाले प्रश्न पूछें।
		निबंध	६	मूल विचार, उद्देश्य व शैलीमध्य किसी पक्ष से संबंधित तीन प्रश्न (दो अति संक्षिप्त तथा एक संक्षिप्त) पूछें। तीनों के जवाब मागें।
		आत्मकथा	५	विषयवस्तु तथा शृंखलाबद्ध प्रस्तुति से संबंधित दो प्रश्न (एक अति संक्षिप्त व दूसरा संक्षिप्त) पूछें। दोनों के जवाब मागें।
		खंडकाव्य	५	मूल भाव, लयविधान तथा शैलीमध्य किसी पक्ष से संबंधित दो प्रश्न (एक अति संक्षिप्त व दूसरा संक्षिप्त) पूछें। दोनों के जवाब मागें।
		एकांकी	५	कथानक, पात्रविधान व परिवेश से संबंधित प्रसंग पर आधारित दो प्रश्न (एक अति संक्षिप्त व दूसरा संक्षिप्त) पूछें। दोनों के जवाब मागें।
२.	पाठ्यवस्तु का बोध (संक्षिप्त उत्तरात्मक)	साहित्य इतिहास	१०	निर्धारित विधा के कालक्रम, मूल प्रवृत्ति तथा प्रतिनिधि स्रष्टा के किसी कालखंड (प्राथमिक, माध्यमिक, आधुनिक और समसामयिक) से संबंधित चार प्रश्नों का जवाब आने के हिसाब से पाँच प्रश्न (दो अति संक्षिप्त तथा तीन संक्षिप्त) पूछें। इन में से अति संक्षिप्त दो एवं संक्षिप्त दो प्रश्नों के जवाब मांगें।
३.	सप्रसंग व्याख्या/भाव विस्तार	कथा, कविता, निबंध, एकांकी, आत्मकथा, खंडकाव्य	८	कथा, कविता, खंडकाव्य, निबंध व एकांकी विधा से किसी पाठगत अंश की सप्रसंग व्याख्या व भाव विस्तार संबंधी तीन संक्षिप्त प्रश्न पूछें व दो प्रश्नों का जवाब लें।
४	सारांश लेखन/घटनाओं का रेखांकन	कथा, कविता, निबंध, एकांकी, आत्मकथा, आत्मकथा, खंडकाव्य	४	कविता, कथा, निबंध, एकांकी और खंडकाव्य से सारांश लेखन संबंधी एक संक्षिप्त प्रश्न तथा उन विधाओं का काई अंश देकर मुख्य‡मुख्य घटनाओं को रेखांकित करने वाला एक संक्षिप्त प्रश्न पूछें। एक ही प्रश्न का जवाब लें।
५.	समीक्षात्मक	कथा, निबंध, एकांकी, खंडकाव्य	२०	उपन्यास तथा खंडकाव्य से एक समीक्षात्मक प्रश्न पूछें और कथा, कविता, निबंध विधा से दो प्रश्नों मे से १ का जवाब दिलबाने के हिसाब से दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछें।

				तीन में से दो प्रश्नों का जवाब लें ।

विशिष्टीकरण तालिका

कक्षा ११

क्र. सं.	**क्षेत्र**	**विधा**	**ज्ञान व बोध**			**व्यावहारिक शिल्प**			**उच्च दक्षता**			**कुल प्रश्न**	जवाब दिये जाने वाले प्रश्नों की संख्या	**अंक - भार**
			अति संक्षिप्त	संक्षिप्त	दीर्घ	अति संक्षिप्त	संक्षिप्त	दीर्घ	अति संक्षिप्त	संक्षिप्त	दीर्घ			
१.	पाठ्यवस्तु का बोध	कथा	२	१								३	३	६
		कविता	२	१								३	३	६
		निबंध	२	१								३	३	६
		एकांकी	२	१								३	३	६
		उपन्यास	१	२								४	३	९
		साहित्य सिद्धांत	२	१			१					४	४	१०
२.	सप्रसंग व्याख्या/ भावविस्तार	कथा, कविता, निबंध तथा एकांकी								२		३	२	८
३.	सारांश लेखन/ घटना रेखांकन	कथा, कविता, एकांकी तथा निबंध								१		२	१	४
४.	समीक्षात्मक	कविता, कथा, निबंध, एकांकी तथा उपन्यास									२	३	२	२०
	कुल प्रश्न		**११**	**७**			**१**			**३**	**२**	**२७**	**२४**	**७५**

कक्षा १२

क्र. सं.	**क्षेत्र**	**विधा**	**ज्ञान व बोध**			**व्यावहारिक शिल्प**			**उच्च दक्षता**			**कुल प्रश्न**	**जवाब दिये जाने वाले प्रश्नों की संख्या**	**अंक भार**
			अति	संक्षिप्त	दीर्घ	अति	संक्षिप्त	दीर्घ	अति	संक्षिप्त	दीर्घ			

			संक्षिप्त			संक्षिप्त			संक्षिप्त					
१.	पाठ्यवस्तुक बोध	कथा	२	१								३	३	६
		कविता	२	१								३	३	६
		निबंध	२	१								३	३	६
		खंडकाव्य	१	१								२	२	५
		आत्मकथा	१	१								२	२	५
		एकांकी	१				१					२	२	५
		साहित्य इतिहास	२	२								४	४	१०
२.	सप्रसंग व्याख्या/ भावविस्तार	कथा, निबंध, उपन्यास, कविता और खंडकाव्य								२		३	२	८
३	सारांश लेखन/ घटनाओं का रेखांकन	कविता, खंडकाव्य कथा, उपन्यास और निबंध								१		२	१	४
४	समीक्षात्मक	कथा, कविता, उपन्यास, निबंध और खंडकाव्य									२	३	२	२०
	कुल प्रश्न		**११**	**७**			**१**			**३**	**२**	**२७**	**२४**	**७५**

द्रष्टव्य : **(क) ज्ञान व बोध :** विशिष्ट तथ्य, प्राप्त सूचना, पुनः स्मरण व जानकारी में रहे विषयों का मूल्यांकन किए जाने वाले प्रश्न इस के तहत पूछे जाएंगे ।

(ख) व्यावहारिक शिल्प : इस में व्यावहारिक क्षमता संबंधी प्रक्रियागत प्रश्न पूछे जाएंगे ।

(ग) उच्च दक्षता : विचारक संयोजन तथा मूल्यांकन क्षमता संबंधी प्रश्न इसके तहत पूछे जाएंगे ।

प्रश्नों के अंक विभाजन

कक्षा : ११				**कक्षा : १२**			
प्रश्न के प्रकार	**प्रश्न संख्या**	**अंक विभाजन**	**अंकभार**	**प्रश्न के प्रकार**	**प्रश्न संख्या**	**अंक विभाजन**	**अंकभार**
अति संक्षिप्त संक्षिप्त	११ ११ २	१प्रश्न×१अङ्क १प्रश्न×४अङ्क १प्रश्न×१०अङ्क	११×१= ११ ११×४=४४ २×१०=२०	अति संक्षिप्त संक्षिप्त	११ ११ २	१प्रश्न×१अङ्क १प्रश्न×४अङ्क १प्रश्न×१०अङ्क	११×१= ११ ११×४=४४ २×१०=२०

दीर्घ				दीर्घ			
कुल	२४		७५	**कुल**	२४		७५

नमूना प्रश्नपत्र

कक्षाः ११
विषय : हिंदी

१. निम्न प्रश्नों का एक वाक्य में जवाब लीखिए : १×११ = ११

(क) 'ईदगाह' कहानी कहानी का मुख्य विषय क्या है ?
(ख) खड़क सिंह किस कहानी का पात्र है ?
(ग) दुर्गानंद झा शहादत का कारण क्या था ?
(घ) सुमित्रानन्दन पंत किस वाद के कवि हैं ?
(ङ) 'पृथ्वीराज की आंखें' के केंद्रीय पात्र का नाम बताइए ।
(च) आप के पाठ में प्रयुक्त एकांकी के लेखक का नाम क्या है ?
(छ).डा. रामविलास शर्मा हिंदी साहित्य में किस रूप में स्थापित हैं ?
(ज) मोहन राकेश का कौन सा निबंध आपके पाठ्यपुस्तक में शामिल है ?
(झ) 'अभिधा' किसे कहते हैं ?
(ञ) 'अलंकार' से आप क्या समझते हैं ?
(ट) 'सिसकियां' उपन्यास किस विषय पर आधारित है ।

२. निम्न प्रश्नों के संक्षिप्त जवाब दीजिए : ४×८ = ३२

(क) 'घड़ी' कहानी किस परिवेश की कहानी है ? इसके मूल भावों का उल्लेख कीजिए ।
(ख) 'चांदनी' का भाव स्पष्ट करते हुए कविता के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।
(ग) मोहन राकेश का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
(घ) ऐतिहासिकता की कसौटी पर 'पृथ्वीराज की आँखें' का मूल्यांकन कीजिए ।
(ङ) 'शब्दशक्ति' से आप क्या समझते हैं ? किसी एक पर टिप्पणी लिखिए ।
(च) उपन्यास के मूल तत्त्वों पर प्रकाश डालिए ।
(छ) 'सिसकियां' नारीप्रधान उपन्यास है, इसे उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए ।
(ज) रस कितने प्रकार के होते हैं ? उदाहरण सहित बताइए ।

३. निम्न संदर्भ/काव्यांश में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : २×४ = ८

(१) नीले नभ के शतदल पर
वह बैठी शारद हासिनी
मृदु करतल पर शशि मुख धर
नीरव, अनिमिष, एकाकिनी ।
(२) अब कोई दीन दुखिया से मूह न मोड़ेगा ।
(३) अच्छा मत सुनो । पर इतना जान लो कि जिन आँखों में संयोगिता की मूर्ति अंकित थी, वे अब नहीं रहीं ।

४. निम्न दो में से कोई एक कार्य कीजिए : १×४ = ४

(क) 'तीर्थ चेतना कविता' का सारांश अपनी भाषा में लीखिए ।

(ख) 'पृथ्वीराज की आंखें' एकांकी की प्रमुख घटनाओं को रेखांकित कीजिए ।

५. नीचे दिये गये तीन प्रश्नों में से दो का जवाब दीजिए । २×१० = २०

(क) 'हार की जीत' कहानी से समाज को क्या शिक्षा मिलती है ? समीक्षात्मक उत्तर दीजिए ।
(ख) औपन्यासिक तत्त्वों की कसौटी पर 'सिसकियां' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए ।
(ग) 'वांडर लस्ट' एक रोचक यात्रा वृत्तांत है । इस कथन की सत्यता उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए ।

कक्षा १२
विषय : हिंदी

१. निम्न प्रश्नों का एक वाक्य में जवाब लीखिए : १×११ = ११

(क) 'बहुरी अकेला' कहानी की नायिका का नाम बताइए ।
(ख) कहानी 'ककड़ी के बीज' में सुमित्रा और शशिनाथ के बीच क्या संबंध है ?
(ग) 'वीरों का कैसा हो वसंत' किस भाव की कविता है ?
(घ) सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' किस वाद के प्रमुख कवि हैं ?
(ङ) हिंदी साहित्य में विद्यानन्द मिश्र को किस विधा का लेखक माना जाता है ?
(च) 'गेहूं और गुलाब' शीर्षक निबंध में गुलाब किसका प्रतीक है ?
(छ) आत्मकथा से आप क्या समझते हैं ?
(ज) हिंदी साहित्य का स्वर्णकाल किसे कहा जाता है ?
(झ) विद्यापति भक्त कवि हैं या श्रृंगारिक कवि, बताइए ।
(ञ) 'मटिहानी महिमा' किस स्थान विशेष से संबद्ध है ?
(ट) 'ध्रुवस्वामिनी' के एकांकीकार का पूरा नाम क्या है ?

२. निम्न प्रश्नों के संक्षिप्त जवाब दीजिए : ४×८ = ३२

(क) 'ठेस' कहानी के आधार पर सिरचन के चरित्र का विश्लेषण कीजिए ।
(ख) 'ध्रुवस्वामिनी' में इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय है ।' इस कथन को सिद्ध कीजिए ।
(ग) 'एक कहानी यह भी' के आधार पर लेखिका के अपने पिता से मतभेद को अपने शब्दों में लीखिए ।
(घ) महादेवी वर्मा की काव्यगत विशेषता बताइए ।
(ङ) 'डा. उपेन्द्र प्रसाद कमल' निबंध के आधार पर डा. कमल की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
(च) हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन की समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।
(छ) भक्तिकालीन किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए ।
(ज) खंडकाव्य के आधार पर मटिहानी की विशेषताओं को चित्रित कीजिए ।

३. निम्न संदर्भ/काव्यांश में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : २×४ = ८

(क) पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय,
ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय ।

(ख) गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूंघते हैं । एक से शरीर की पुष्टि होती है दूसरे से मानस तृप्त होता है ।

(ग) जो अगणित लघु दीप हमारे
तूफानों में एक किनारे,
जल जलाकर बुझ गए किसी दिन
माँगा नहीं स्नेह मुँह खोल
कलम, आज उनकी जय बोल ।

४. निम्न दो में से कोई एक कार्य कीजिए : १×४ = ४

(क) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की प्रमुख घटनाओं को रेखांकित कीजिए ।

(ख) दिए गए अनुच्छेद का सारांश लिखिए :

शनिवार का दिन । ऑफिस में साप्ताहिक छुट्टी थी । अन्य छुट्टियों के दिन की तरह ही उस दिन भी मैं ऑफिस टाइम पर ही घर से निकल शराबखाना पहुँच गया था । लोकल दारू के चार-पाँच गिलास गटक भी चुका था- एक बजे तक । याद आया कि दो बजे से एक कविगोष्ठी है, जिस में मैं आमंत्रित हूँ । भट्टी वाले को खाते में चढ़ा देने के लिये कहते हुए मैं निकल गया । आम तौर पर उस समय मुझे लिखने का मूड़ नहीं आता है, जिस समय मैं शराब पिये रहता हूँ । लेकिन उस दिन मुझ पर लिखने की ऐसा धुन सवार हुई कि मैं खुद को रोक नहीं पाया । इसीलिये कविगोष्ठी में जाने के लिये बढ़े कदम को घर की ओर मोड़ लिया । घर पहुँचते ही लिखने बैठ गया । मुझे आज दिन में भी घर ही पर देखकर सावित्री को संभवतः प्रसन्नता हुई थी । लेकिन घर में बैठने के बावजूद मुझे कॉपी-कलम में ही उलझे हुए पाकर वह और बेचैन सी हो उठी थी । कम से कम उसके हाव-भाव तो यही कह रहे थे । शाम को मैं अपनी कहानी को अंतिम रूप देने के उपक्रम में था । इसी बीच यादव जी की पत्नी ककड़ी के बीज माँगने आई थीं । सावित्री ने तुरंत ही अंदर से बीज लाकर दे दिया ।

सावित्री द्वारा किया गया यह दान उसकी उदारता थी या मूर्खता, मैं नहीं समझ सका । क्योंकि अगर यादव जी की पत्नी एक ककड़ी माँगने आई होती तो सावित्री ही नहीं, और कोई भी देने से जरूर हिचकिचाता । लेकिन बीज, जिसकी बदौलत यादव जी सैकड़ों ककड़ियाँ उगा सकते हैं, देते समय सावित्री के चेहरे पर जरा भी कंजूसी या असहजता के भाव नहीं उभरे । वाह ! कैसी अजीब बात है ! बीज मेरे, यादव जी केवल बो कर उगा कर लें तो जितनी ककड़ी उपजे, सब की सब उन्हीं की !

५. नीचे दिये गये तीन प्रश्नों में से दो का जवाब दीजिए । २×१० = २०

(क) 'मटिहानी महिमा' के आधार पर मिथिला संस्कृति पर प्रकाश डालिए ।

(ख) 'गेहूँ और गुलाब' की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कर लेखक के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

(ग) मनुष्य के जीवन में आस-पड़ोस का बहुत महत्त्व होता है । परंतु महानगरों में रहने वाले लोग प्रायः 'पड़ोस कल्चर' से वंचित रह जाते हैं । "एक कहानी यह भी" के आधार पर इस कथन पर अपने विचार लीखिए ।

-०-